MAKHANLAL CHATURVEDI NATIONAL UNIVERSITY OF JOURNALISM AND COMMUNICATION

// UNIVERSITY LIBRARY //

-: NEWS CLIPPING SERVICE -:

DATE :- 21 August, 2026

MCU NEWS

एमसीयू के सत्रारंभ कार्यक्रम 'अभ्युदय' का समापन, पूर्व छात्रों ने साझा किए अनुभव

समाज को देखने और समझने की दृष्टि देती है पत्रकारिता : रजनीश अग्रवाल

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता व संचार विश्वविद्यालय में नवागत विद्यार्थियों के प्रबोधन कार्यक्रम 'अभ्युदय' का गुरुवार को समापन हुआ। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद रजनीश अग्रवाल ने कहा कि पत्रकारिता की पढ़ाई ने उन्हें समाज को देखने और समझने की दृष्टि दी। उन्होंने कहा कि समाज में क्या घट रहा है और क्यों घट रहा है, इसे समझने की क्षमता पत्रकारिता विकसित करती है। पत्रकारिता के माध्यम से अपनी संस्कृति, परंपरा और समाज से जुड़ने का अवसर भी मिलता है।

कार्यक्रम में देश-विदेश में विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों ने नवागत विद्यार्थियों से संवाद किया। बिजनेस पत्रकार मृत्युंजय झा ने कहा कि व्यापार पत्रकारिता में एक गलत आंकड़े का सीधा असर बाजार पर पड़ सकता है। वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश पंत ने विद्यार्थियों से प्रतिदिन कम से कम दो समाचार पत्र पढ़ने और लेखन, वीडियो व ग्राफिक्स का नियमित अभ्यास करने की सलाह दी। रक्षा पत्रकार कृष्ण मोहन मिश्रा ने रुचि के अनुसार क्षेत्र चुनने पर जोर दिया। डिजिटल पत्रकार अनिल पांडेय ने कहा कि मीडिया में अवसरों की कमी नहीं है, लेकिन कुशल लोगों की जरूरत है। पूर्व विद्यार्थी एन. हरि प्रकाश ने केन्या से आनलाइन जुड़कर अनुभव साझा किए। जनसंपर्क, डिजिटल विपणन, विज्ञापन, राजनीतिक प्रचार, पुस्तकालय विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कार्यरत पूर्व विद्यार्थियों ने भी अपने अनुभव बताए। प्रधानमंत्री कार्यालय में पदस्थ डीडी न्यूज संवाददाता आशुतोष कुमार सिंह ने भाषा और विषय-वस्तु पर पकड़ बनाने की सलाह दी। कुमार सौरभ ने छात्रों से बड़े सपने देखने और खूब लिखने का आह्वान किया। कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि पत्रकारिता संघर्ष और अनिश्चितताओं का क्षेत्र है।

एमसीयू में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद अतिथिगण। ● सौजन्य : आयोजक

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY
NAVADUNIA 21-08-2026

एमसीयू में 'अभ्युदय-2026' का समापन

पत्रकारिता ने समाज को देखने और समझने की दृष्टि दी : रजनीश

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में नवागत विद्यार्थियों के लिए आयोजित सप्ताह कार्यक्रम 'अभ्युदय-2026' का समापन हुआ। कार्यक्रम में देशभर से आए विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों ने नए विद्यार्थियों को पत्रकारिता, संचार और मीडिया क्षेत्र में सफलता के लिए मार्गदर्शन दिया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद रजनीश अग्रवाल ने कहा कि पत्रकारिता की शिक्षा ने उन्हें समाज को देखने और समझने की दृष्टि दी। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता केवल एक पेशा नहीं, बल्कि समाज की घटनाओं और बदलावों को समझने का माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों को संस्कृति, परंपरा और समाज से जुड़े रहने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकारों और मीडिया विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को अलग-अलग क्षेत्रों में करियर की संभावनाओं की जानकारी दी। बिजनेस पत्रकार मृत्युंजय झा ने कहा कि पत्रकारिता में सही तथ्यों का विशेष महत्व है। रक्षा पत्रकार कृष्ण मोहन मिश्रा ने डिफेंस रिपोर्टिंग में रुचि और अवसरों पर चर्चा की। डिजिटल पत्रकार अनिल पांडेय ने मोबाइल पत्रकारिता और आधुनिक तकनीक के उपयोग की जानकारी दी।

विकास संवाद के निदेशक सचिन जैन ने कहा कि पत्रकारिता में सबसे महत्वपूर्ण कौशल बेहतर अवलोकन क्षमता है। उन्होंने विद्यार्थियों को समाज और घटनाओं को गहराई से समझने की सलाह दी। अन्य पूर्व विद्यार्थियों ने जनसंपर्क, डिजिटल मार्केटिंग, विज्ञापन, राजनीतिक संचार और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में अनुभव साझा किए।

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY
DAINIK NAIDUNIA 21-08-2026

स्वदेश ज्योति

एमसीयू में नवागत विद्यार्थियों के प्रबोधन कार्यक्रम 'अभ्युदय 2026' का समापन, पूर्व विद्यार्थियों ने साझा किए अनुभव

समाज को देखने और समझने की दृष्टि देती है पत्रकारिता : रजनीश अग्रवाल

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में नवागत विद्यार्थियों के लिए आयोजित तीन दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम 'अभ्युदय 2026' का समापन हुआ। समापन अवसर पर देशभर में विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों ने नवागत विद्यार्थियों से संवाद किया और पत्रकारिता, जनसंपर्क, विज्ञापन, डिजिटल माध्यम, विकास संचार, रक्षा पत्रकारिता सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद रजनीश अग्रवाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पत्रकारिता का अध्ययन केवल रोजगार का माध्यम नहीं है, बल्कि यह समाज को देखने और समझने की दृष्टि विकसित करता है। रजनीश अग्रवाल ने कहा कि उन्होंने विश्वविद्यालय में पत्रकारिता की पढ़ाई सोच-विचारकर चुनी थी। पत्रकारिता के अध्ययन के दौरान उन्होंने जो कुछ पढ़ा और सीखा, उसका लाभ उन्हें राजनीतिक क्षेत्र में भी मिला। उन्होंने कहा कि समाज में क्या घट रहा है और उसके पीछे कारण क्या हैं, इसे समझने की दृष्टि पत्रकारिता देती है। पत्रकारिता के माध्यम से व्यक्ति अपनी संस्कृति, परंपराओं और समाज से भी गहराई से जुड़ता है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि प्रत्येक व्यवसाय और कार्यक्षेत्र के पीछे कुछ नैतिक मूल्य होते हैं और इन्हीं मूल्यों के कारण संस्थाएं तथा क्षेत्र लंबे समय तक टिके रहते हैं। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद ने विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया।

रुचि के अनुसार क्षेत्र चुनने की सलाह

रक्षा पत्रकार कृष्ण मोहन मिश्रा ने कहा कि उन्होंने अपनी रुचि के अनुसार रक्षा पत्रकारिता को चुना। उन्होंने कहा कि रक्षा पत्रकारिता का महत्व आगे भी बना रहेगा, क्योंकि युद्ध और संघर्ष मानव इतिहास का हिस्सा रहे हैं और लोगों की रुचि हमेशा युद्ध से जुड़ी घटनाओं में रही है। डिजिटल पत्रकार अनिल पांडेय ने कहा कि वर्तमान समय में माध्यमों के क्षेत्र में रोजगार के अनेक अवसर हैं, लेकिन इसके लिए कुशल लोगों की आवश्यकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को तकनीक के बदलते स्वरूप के अनुरूप स्वयं को तैयार करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि आज अच्छे वीडियो बनाने के लिए महंगे उपकरणों पर निर्भर रहना जरूरी नहीं है। मोबाइल फोन से भी प्रभावी वीडियो तैयार किए जा सकते हैं। विद्यार्थियों को इस तरह दृश्य तैयार करना चाहिए कि बाद में संपादन की आवश्यकता कम से कम पड़े।

अनुशासन और भाषा पर पकड़ से बढ़ता है आत्मविश्वास

प्रधानमंत्री कार्यालय में पदस्थ दूरदर्शन समाचार के संवाददाता आशुतोष कुमार सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने विद्यार्थियों को अनुशासन सिखाया, जिसका लाभ उन्हें अपने कार्यक्षेत्र में मिल रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि सामग्री और भाषा पर मजबूत पकड़ बनाएं। इससे उनके भीतर आत्मविश्वास विकसित होगा।

संघर्ष से ही सफलता तक पहुंचने की राह

समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि पत्रकारिता अनिश्चितताओं और संघर्ष का क्षेत्र है। 'अभ्युदय 2026' में शामिल हुए पूर्व विद्यार्थियों की सफलता की कहानियां बताती हैं कि उन्होंने भी संघर्ष के रास्ते से गुजरकर अपने लिए मुकाम बनाया है। उन्होंने नवागत विद्यार्थियों से कहा कि कार्यक्रम के तीन दिनों के दौरान जिस ऊर्जा और उत्साह का अनुभव उन्होंने किया है, उसे अपने अध्ययन और पूरे पाठ्यक्रम के दौरान बनाए रखें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में सीखने का अवसर केवल कक्षा तक सीमित नहीं है। विद्यार्थियों को अपने आसपास के समाज, घटनाओं और बदलते माध्यमों से लगातार सीखते रहना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में कुलसचिव प्रो. पी. शशिकला ने सभी अतिथियों, पूर्व विद्यार्थियों, शिक्षकों और नवागत विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया। 'अभ्युदय 2026' के माध्यम से विद्यार्थियों को जहां विश्वविद्यालय की शैक्षणिक यात्रा के लिए तैयार किया गया, वहीं विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित पूर्व विद्यार्थियों के अनुभवों ने उन्हें पत्रकारिता और संचार के व्यापक संसार से परिचित कराया।

पत्रकारिता में छोटी गलती का भी बड़ा प्रभाव

चर्चित व्यापार पत्रकार मृत्युंजय झा ने विद्यार्थियों को पत्रकारिता में तथ्यों की शुद्धता के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि व्यापार पत्रकारिता में यदि कोई गलत आंकड़ा या तथ्य सामने आ जाए तो उसका सीधा असर बाजार पर पड़ सकता है। एक गलत समाचार कई स्तरों पर बड़ा बदलाव ला सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि पत्रकारिता केवल समाचार प्रस्तोता या संवाददाता बनने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें अनेक प्रकार की भूमिकाएं और अवसर मौजूद हैं।

अच्छा पत्रकार बनने के लिए जरूरी है बेहतर अवलोकन

विकास संवाद के निदेशक सचिन जैन ने कहा कि विश्वविद्यालय ने उन्हें विकास संचार और विश्लेषण की क्षमता प्रदान की, जिसने उन्हें विकास संचार के क्षेत्र में काम करने की दिशा दी। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि संचार कौशल का उपयोग किस उद्देश्य के लिए किया जाना है, इस पर विचार करना जरूरी है। उन्होंने पत्रकारिता के लिए अवलोकन क्षमता को सबसे महत्वपूर्ण कौशल बताते हुए कहा कि व्यक्ति जितना बेहतर अवलोकन करेगा, उतना ही बेहतर पत्रकार बन सकेगा। पूर्व विद्यार्थी एन. हरिप्रकाश ने केन्या से ऑनलाइन जुड़कर विद्यार्थियों के साथ अपनी व्यावसायिक यात्रा साझा की। जनसंपर्क क्षेत्र में कार्यरत आशीष चौहान ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में जाने से पहले विद्यार्थियों को यह स्पष्ट करना चाहिए कि वे क्या करना चाहते हैं। इसके बाद उस कार्य के लिए आवश्यक कौशलों की पहचान कर उन्हें सीखना चाहिए।

लोगों को समझना संचार की सबसे बड़ी जरूरत

विज्ञापन क्षेत्र में कार्यरत पूर्व विद्यार्थी अमित कौसरवाल ने कहा कि प्रभावी संवाद के लिए लोगों को समझना सबसे जरूरी गुण है। संचार, ब्रांड प्रचार और विज्ञापन के क्षेत्र में वही व्यक्ति आगे बढ़ सकता है जो लगातार यह समझने का प्रयास करता रहे कि लोग क्या सोच रहे हैं, क्या कर रहे हैं और क्या देख रहे हैं। आरकॉम की प्रबंध निदेशक कविता कौसरवाल ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति कुछ नया करना चाहता है तो उसे लोगों से मिलना और उनसे बातचीत करना सीखना होगा। लोगों के बीच से ही नई कहानियां और नए विचार सामने आते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को ईमानदारी का महत्व समझाते हुए कहा कि जो हम नहीं जानते, उसे स्वीकार करने की क्षमता होनी चाहिए।

Bhopal Main-Edition Edition
Aug 21, 2026 Page No. 2
Powered by: erelego.com

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY

स्वदेश

भोपाल - संस्करण

21 AUG 2026

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY

एमसीयू के 'अभ्युदय-2026' कार्यक्रम का समापन

पत्रकारिता समाज को देखने और समझने की दृष्टि देती है : अग्रवाल

स्वदेश संवाददाता ■ भोपाल

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में नवागत विद्यार्थियों के प्रबोधन कार्यक्रम 'अभ्युदय-2026' का समापन हुआ।

समापन समारोह में राज्यसभा सांसद रजनीश अग्रवाल ने कहा कि पत्रकारिता की पढ़ाई ने उन्हें समाज को देखने और समझने की दृष्टि दी, जिसका लाभ राजनीतिक जीवन में भी मिला। उन्होंने विद्यार्थियों से पत्रकारिता को विचारपूर्वक अपनाने और समाज, संस्कृति व परंपराओं से जुड़कर सीखने का आह्वान किया।

संघर्ष से सफलता तक पहुंचने की प्रेरणा

कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि पत्रकारिता संघर्ष और अनिश्चितताओं का क्षेत्र है। 'अभ्युदय' में पूर्व विद्यार्थियों की सफलता की कहानियां संघर्ष से मुकाम हासिल करने की प्रेरणा देती हैं।

खबर में सटीकता और अभ्यास जरूरी

बिजनेस पत्रकार मृत्युंजय झा ने कहा कि गलत आंकड़े का सीधा असर बाजार पर पड़ सकता है। वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्वविद्यालय के प्रथम बैच के विद्यार्थी प्रकाश पंत ने विद्यार्थियों को प्रतिदिन समाचार पत्र पढ़ने और लेखन, वीडियो व ग्राफिक्स का नियमित अभ्यास करने की सलाह दी। रक्षा पत्रकार कृष्ण मोहन मिश्रा ने रक्षा पत्रकारिता में रुचि और संभावनाओं पर बात की। डिजिटल पत्रकार अनिल पांडेय ने मोबाइल से प्रभावी वीडियो निर्माण की तकनीक बताई।

पूर्व विद्यार्थियों ने साझा किए सफलता के मंत्र... विकास संवाद के निदेशक सचिन जैन ने अवलोकन को पत्रकारिता का सबसे महत्वपूर्ण कौशल बताया। केन्या से ऑनलाइन जुड़े एन. हरि प्रकाश ने अपनी करियर यात्रा साझा की। जनसंपर्क विशेषज्ञ आशीष चौहान, डिजिटल विपणन विशेषज्ञ आयुषी श्रीवास्तव, विज्ञापन क्षेत्र के अमित कौसरवाल, आरकॉम की प्रबंध संचालक कविता कौसरवाल, राजनीतिक अभियान विशेषज्ञ डॉ. सुलभ सिंह, देवरूप आर्या, अभिषेक बेहरा, प्रधानमंत्री कार्यालय में पदस्थ दूरदर्शन न्यूज़ संवाददाता आशुतोष कुमार सिंह और कुमार सौरभ ने भी विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया। कुलसचिव प्रो. पी. शशिकला ने आभार व्यक्त किया।